

Procedure for Securing Telephone Connections

1936. { **Dr. K. B. Menon:**
Shri Ramji Verma:

Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state.

(a) whether there is any difference in the procedure for securing telephone connections in the State of Jammu and Kashmir and the rest of India; and

(b) if so, the details thereof?

The Minister of Transport and Communications (Dr. P. Subbarayan): (a) No.

(b) Does not arise.

Train Collision near Hajipur on N.E. Railway

1937. Shri Biswanath Roy: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a collision between a passenger train and a goods train took place near Hajipur Railway Station of North Eastern Railway in the 1st week of August, 1961 owing to negligence of some Railway employees; and

(b) if so, the loss of life and property?

The Deputy Minister of Railways (Shri S. V. Ramaswamy): (a) On 6-8-1961 at about 04-47 hours 81 Up Passenger train and No. 1 GC Up Goods train were involved in a side collision at Hajipur Junction station. The cause of the accident is under investigation.

(b) There was no loss of life. One Passenger and three Railway staff sustained simple injuries. Approximate cost of damage to railway property has been assessed at Rs. 14,000.

12 hrs.

MOTIONS FOR ADJOURNMENT

ALLEGED THROWING OF BOMB AT SWAMI RAMESHWARANANDJI

Mr. Speaker: I have received notice of an adjournment motion from Shri Prakash Vir Shastri:

"The situation arising out of throwing of a bomb at Swami Rameshwaranandji on the evening of Sunday, the 20th August, 1961."

Is he taking his fast in the open street or what?

श्री प्रकाश वीर शास्त्री : (गुड़गांव) : अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि पंजाब की एकता को सुरक्षित रखने के लिये स्वामी रामेश्वरानन्द महाराज ने दिल्ली के आर्यसमाज दीवान हाल में आमरण व्रत रखवा हुआ है। कल दिल्ली में ही नहीं, सारे हिन्दुस्तान में इस सम्बन्ध में एक दिवस मनाया गया। जब दिल्ली दीवान हाल में इस प्रकार की एक सभा हो रही थी तो दो आदमियों ने स्वामी रामेश्वरानन्द जी के ऊपर बम फेंका। सौभाग्य से व्रत ऐसी हुई कि वह बम फट नहीं पाया। उसी समय जो स्वयंसेवक वहां थे उन्होंने उस बम को अपने अधिकार में कर लिया और बाहर जो पुलिस खड़ी हुई थी उसके हाथों में उन्होंने फेंकने वालों को भी और बम को भी सीप दिया।

प्रातः काल मैं ने डिप्टी कमिश्नर से टेलिफोन पर जानकारी लेनी चाही। उन्होंने कहा कि अभी तक हम इस बात का निर्णय नहीं कर सके हैं कि वह बम है या फेंकर है क्योंकि आगरे से कोई स्पेशलिस्ट बुलाया गया है जो उसका निरीक्षण करेगा। लेकिन इतना सब होने के बावजूद भी, इतनी बड़ी सभा में, जिस में कोई ४० या ५० हजार की उपस्थिति थी, कोई उपद्रव किसी प्रकार का नहीं होने दिया गया। फिर भी इस से दिल्ली में तनाव पर्याप्त मात्रा में बढ़ गया है।